TET (Teacher Eligibility Test)

TET (Teacher Eligibility Test) एक परीक्षा है जिसे शिक्षकों के लिए आयोजित किया जाता है ताकि वे सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए योग्य साबित हो सकें। यह परीक्षा विभिन्न राज्यों और केंद्र सरकार द्वारा आयोजित की जाती है। TET परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के पास शिक्षा का उच्चतम मानक हो।

TET के प्रमुख बिंदु:

1. परीक्षा का उद्देश्य: सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षक नियुक्तियों के लिए पात्रता निर्धारित करना।
2. प्रकार:
    - **CTET (Central Teacher Eligibility Test)**: यह केंद्रीय स्तर पर आयोजित होती है और केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय आदि के लिए योग्यताओं की जांच करती है।
    - **State TET (STET)**: राज्य सरकारों द्वारा आयोजित की जाती है और राज्य के स्कूलों में शिक्षक बनने के लिए आवश्यक होती है।

TET (Teacher Eligibility Test) परीक्षा के लिए आवश्यक योग्यता

TET (Teacher Eligibility Test) परीक्षा के लिए आवश्यक योग्यता दो स्तरों पर विभाजित की जाती है:

1. प्राथमिक स्तर (कक्षा **1** से **5** तक) के लिए पात्रता:
    - उम्मीदवार को वरिष्ठ माध्यमिक **(10+2)** या इसके समकक्ष परीक्षा में कम से कम **50%** अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए और **2** वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा **(D.El.Ed)** होना चाहिए। या
    - उम्मीदवार को वरिष्ठ माध्यमिक **(10+2)** या इसके समकक्ष परीक्षा में कम से कम **50%** अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए और **4** वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा स्नातक **(B.El.Ed)** होना चाहिए। या
    - स्नातक डिग्री के साथ **2** वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा **(D.El.Ed)** या **B.Ed** भी मान्य है।
2. उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा **6** से **8** तक) के लिए पात्रता:

- उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री होनी चाहिए और **2** वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा **(D.El.Ed)** या **B.Ed** होना चाहिए। या
- वरिष्ठ माध्यमिक **(10+2)** या इसके समकक्ष परीक्षा में कम से कम **50%** अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए और **4** वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा स्नातक **(B.El.Ed)** किया हो। या
- स्नातक डिग्री के साथ **B.Ed (Bachelor of Education)** की डिग्री भी मान्य होती है।

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु**:**

- किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से योग्यता डिग्री होनी चाहिए।
- न्यूनतम अंकों के मानदंड में आरक्षित श्रेणियों (SC/ST/OBC आदि) के लिए छूट हो सकती है, जो राज्य और केंद्र सरकार के नियमों पर निर्भर करती है।

TET (Teacher Eligibility Test) परीक्षा का पाठ्यक्रम

TET (Teacher Eligibility Test) परीक्षा का पाठ्यक्रम मुख्य रूप से दो पेपरों में विभाजित होता है:

1. पेपर **1** (प्राथमिक स्तर: कक्षा 1 से 5 तक के लिए)
2. पेपर **2** (उच्च प्राथमिक स्तर: कक्षा 6 से 8 तक के लिए)

1. पेपर **1 (**प्राथमिक स्तर**):**

यह उन उम्मीदवारों के लिए है जो कक्षा 1 से 5 तक के शिक्षण के लिए आवेदन कर रहे हैं।

पेपर **1** का पाठ्यक्रम**:**

1. बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र **(Child Development and Pedagogy)**:
   - बाल विकास की अवधारणाएँ (Concepts of Child Development)
   - शिक्षण और अधिगम की अवधारणाएँ (Learning and Pedagogy)
   - कक्षा में सीखने की प्रक्रिया
   - विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ

- समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)

2. अंक: 30
   प्रश्न: 30
3. भाषा **1 (Language I)**:
   - भाषा की समझ (Comprehension)
   - भाषा शिक्षण के सिद्धांत (Teaching Methodology of Language)
   - व्याकरण और उपयोग (Grammar and Language Use)
4. अंक: 30
   प्रश्न: 30
5. भाषा **2 (Language II)**:
   - गद्यांश और व्याकरण (Comprehension and Grammar)
   - दूसरी भाषा के शिक्षण के सिद्धांत (Pedagogy of Language Development)
   - भाषा के रूप में अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा को चुन सकते हैं
6. अंक: 30
   प्रश्न: 30
7. गणित **(Mathematics)**:
   - संख्या प्रणाली (Number System)
   - ज्यामिति (Geometry)
   - माप (Measurement)
   - समय, दूरी, कार्य, और अनुपात (Time, Distance, Work, Ratio)
   - शिक्षण पद्धति और गणित का अधिगम (Pedagogical Issues)
8. अंक: 30
   प्रश्न: 30
9. पर्यावरण अध्ययन **(Environmental Studies)**:
   - परिवार और मित्र (Family and Friends)
   - खाद्य, जल, और आश्रय (Food, Water, Shelter)
   - यातायात और संचार (Transport and Communication)
   - पर्यावरणीय शिक्षा के सिद्धांत (Pedagogical Issues of Environmental Education)
10. अंक: 30
    प्रश्न: 30

2. पेपर **2 (**उच्च प्राथमिक स्तर**):**

यह उन उम्मीदवारों के लिए है जो कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षण के लिए आवेदन कर रहे हैं।

पेपर **2** का पाठ्यक्रम**:**

1. बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र **(Child Development and Pedagogy)**:
    - किशोरावस्था का विकास (Development of Adolescence)
    - सीखने की प्रक्रिया और इसके सिद्धांत (Learning and Teaching Methods)
    - समावेशी शिक्षा और विशेष जरूरत वाले बच्चों के शिक्षण पद्धति (Inclusive Education)
2. अंक: 30
   प्रश्न: 30
3. भाषा **1 (Language I)**:
    - भाषा शिक्षण के सिद्धांत (Pedagogy of Language Development)
    - गद्यांश और व्याकरण (Comprehension and Grammar)
4. अंक: 30
   प्रश्न: 30
5. भाषा **2 (Language II)**:
    - भाषा विकास और शिक्षण (Pedagogy of Language Development)
    - व्याकरण और भाषा उपयोग (Grammar and Language Use)
6. अंक: 30
   प्रश्न: 30
7. गणित और विज्ञान / सामाजिक अध्ययन **(Maths and Science / Social Studies)**: (उम्मीदवार को इनमें से किसी एक का चुनाव करना होता है)
    - गणित: संख्या प्रणाली, त्रिकोणमिति, अनुपात और अनुपात, बीजगणित, ज्यामिति
    - विज्ञान: पदार्थ, जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान
    - सामाजिक अध्ययन: इतिहास, भूगोल, राजनीतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र
8. अंक: 60
   प्रश्न: 60

कुल अंक**:**

- दोनों पेपरों में कुल 150 अंक होते हैं।
- प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होता है और कोई नकारात्मक अंकन नहीं होता।

TET परीक्षा का पैटर्न

1. पेपर **1 (**प्राथमिक स्तर **-** कक्षा **1** से **5** तक**)**

परीक्षा पैटर्न:

- कुल प्रश्न**: 150**
- प्रश्नों का प्रकार**:** बहुविकल्पीय प्रश्न **(MCQs)**
- कुल अंक**: 150**
- समय अवधि**: 2.5** घंटे **(150** मिनट**)**
- नकारात्मक अंकन**:** नहीं है

विषय	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1. बाल विकास और शिक्षाशास्त्र	30	30
2. भाषा 1 (हिंदी/अन्य राज्य भाषा)	30	30
3. भाषा 2 (अंग्रेज़ी)	30	30
4. गणित/ विज्ञान / सामाजिक अध्ययन	30	30
5. पर्यावरण अध्ययन	30	30
कुल	150	150

2. पेपर **2 (**उच्च प्राथमिक स्तर **-** कक्षा **6** से **8** तक**)**

परीक्षा पैटर्न:

- कुल प्रश्न: 150
- प्रश्नों का प्रकार: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)
- कुल अंक: 150
- समय अवधि: 2.5 घंटे (150 मिनट)
- नकारात्मक अंकन: नहीं है
-

विषय	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1. बाल विकास और शिक्षाशास्त्र	30	30
2. भाषा 1 (हिंदी/अन्य राज्य भाषा)	30	30

3. भाषा 2 (अंग्रेज़ी)	30	30
4. गणित/ विज्ञान / सामाजिक अध्ययन	60	60
कुल	150	150

(उम्मीदवार को गणित-विज्ञान या सामाजिक अध्ययन में से एक चुनना होता है)

महत्वपूर्ण बातें:

पेपर **1** उन उम्मीदवारों के लिए है जो प्राथमिक स्तर **(**कक्षा **1** से **5** तक**)** के शिक्षक बनना चाहते हैं।

पेपर **2** उन उम्मीदवारों के लिए है जो उच्च प्राथमिक स्तर **(**कक्षा **6** से **8** तक**)** के शिक्षक बनना चाहते हैं।

अगर कोई उम्मीदवार कक्षा **1** से **8** तक के लिए शिक्षक बनना चाहता है, तो उसे दोनों पेपर देने होते हैं (पेपर 1 और पेपर 2)।

प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होता है और गलत उत्तर के लिए कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

यह परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में हो सकती है, जो परीक्षा नियामक प्राधिकरण द्वारा तय किया जाता

TET (Teacher Eligibility Test) परीक्षा में सफलता हेतु सुझाव

TET में सफलता हेतु विशेषज्ञों द्वारा दिए गए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव निम्नलिखित हैं:

1. पाठ्यक्रम को अच्छी तरह समझें**:**

TET परीक्षा के लिए **NCERT** की किताबों का अध्ययन करें क्योंकि यह पाठ्यक्रम के अनुरूप होती हैं।

परीक्षा के सिलेबस और पैटर्न को पूरी तरह से समझें और उस पर आधारित नोट्स बनाएं।

हर विषय के मुख्य बिंदुओं और टॉपिक्स को सही ढंग से पढ़ें, खासकर बाल विकास और शिक्षाशास्त्र (Child Development and Pedagogy) के हिस्से को, क्योंकि यह सबसे अधिक महत्व रखता है।

2. समय प्रबंधन **(Time Management):**

पढ़ाई का एक निश्चित टाइम टेबल बनाएं और उसे ईमानदारी से फॉलो करें।

हर दिन हर विषय के लिए कुछ समय निकालें ताकि आप सभी विषयों को कवर कर सकें।

समय-समय पर मॉक टेस्ट दें ताकि समय प्रबंधन का अभ्यास हो और वास्तविक परीक्षा में तनाव कम हो।

3. मॉक टेस्ट और पिछले साल के प्रश्न पत्र **(Previous Year Papers):**

मॉक टेस्ट देना आपकी तैयारी को बेहतर बनाएगा और परीक्षा के लिए आत्मविश्वास बढ़ाएगा।

पिछले साल के प्रश्न पत्र हल करें ताकि आपको प्रश्नों के प्रकार और कठिनाई स्तर का अंदाजा हो सके।

प्रश्न हल करने की गति और सटीकता बढ़ाने पर ध्यान दें।

4. समझने पर जोर दें**,** रटने पर नहीं**:**

केवल रटने की बजाय विषयों को समझने की कोशिश करें, खासकर शिक्षण विधियों और बाल विकास की अवधारणाओं को।

पर्यावरण अध्ययन, भाषा और गणित जैसे विषयों में तर्क और व्यावहारिक ज्ञान का उपयोग करें।

5. बाल विकास और शिक्षाशास्त्र पर विशेष ध्यान दें**:**

इस विषय में **30** प्रश्न आते हैं, जो परीक्षा में पास होने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

विभिन्न शिक्षण विधियों और बाल मनोविज्ञान की अवधारणाओं को समझें।

समावेशी शिक्षा और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें।

6. भाषा और व्याकरण में सटीकता:

भाषा **1** और भाषा **2** में अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इसे केवल व्याकरण तक सीमित न रखें, बल्कि भाषा शिक्षण के सिद्धांतों को भी अच्छी तरह से समझें।

रोज़ाना भाषा के गद्यांश पढ़ें और व्याकरण के नियमों का अभ्यास करें। इससे अवबोधन **(Comprehension)** में मदद मिलेगी।

7. गणित और विज्ञान की तैयारी:

गणित और विज्ञान के प्रश्नों के लिए तथ्यात्मक और अवधारणात्मक ज्ञान पर जोर दें।

गणित के सूत्रों और प्रश्नों को हल करने की त्वरित और प्रभावी विधियों का अभ्यास करें।

शिक्षण पद्धतियों पर ध्यान दें क्योंकि अधिकांश प्रश्न इन पर आधारित होते हैं।

8. पर्यावरण अध्ययन के लिए रणनीति:

पर्यावरण अध्ययन के लिए आपको सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, और सामान्य ज्ञान का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

पर्यावरणीय अवधारणाओं के अलावा, समसामयिक पर्यावरणीय मुद्दों पर भी ध्यान दें।

9. परीक्षा की रणनीति बनाएं:

परीक्षा के दिन किस प्रकार प्रश्नों को हल करेंगे, इसके लिए पहले से रणनीति बना लें।

पहले आसान प्रश्नों को हल करें और कठिन प्रश्नों के लिए समय बाद में रखें।

10. ध्यान और आत्मविश्वास:

ध्यान और मानसिक स्पष्टता बनाए रखने के लिए रोज़ाना ध्यान (Meditation) और योग करें।

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखें और कभी हार न मानें।

11. आखिरी समय की तैयारी:

परीक्षा के अंतिम दिनों में नए विषय न पढ़ें, बल्कि पहले पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करें।

कठिनाई वाले क्षेत्रों पर ज्यादा समय बिताएं और मॉक टेस्ट द्वारा समय प्रबंधन पर काम करें।

12. नोट्स और शॉर्ट ट्रिक्स का उपयोग:

- छोटे-छोटे नोट्स और शॉर्ट ट्रिक्स बनाएं ताकि रिवीजन आसान हो।
- हर विषय के महत्वपूर्ण टॉपिक्स और फॉर्मूलों के लिए फ्लैश कार्ड बनाएं ताकि जल्दी से रिवीजन किया जा सके।

निष्कर्ष:

TET परीक्षा में सफलता पाने के लिए समझदारी से अध्ययन, निरंतरता, सही रणनीति और मॉक टेस्ट का अभ्यास बेहद महत्वपूर्ण है। आत्मविश्वास और धैर्य बनाए रखें, और यह सुनिश्चित करें कि आप परीक्षा के हर हिस्से को सही ढंग से समझें और उस पर महारत हासिल करें।